भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2828

जिसका उत्तर 03 अगस्त, 2022 को दिया जाना है ।

12 श्रावण, 1944 (शक)

डिजिटल इंडिया वीक

2828. श्री श्रीरंग आप्पा बारणे :

श्री रविन्दर कुशवाहा :

श्री रवि किशन :

श्री मनोज तिवारी :

श्री सुब्रत पाठक :

श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे :

श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक :

श्री प्रतापराव जाधव :

श्री बिद्युत बरन महतो :

श्री सुधीर गुप्ता :

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने हाल ही में डिजिटल इंडिया वीक, 2022 मनाया था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस डिजिटल इंडिया वीक का विषय क्या था;

(ख) क्या सरकार ने "डिजिटल इंडिया भाषिणी" योजना भी शुरू की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यह किस तरह से देश भर में इंटरनेट और डिजिटल सेवाओं तक आसान पहुंच प्रदान करने में सहायक होगी;

(ग) क्या सरकार का अंतरिक्ष, मानचित्रण, ड्रोन, गेमिंग और एनिमेशन आदि सहित कई क्षेत्र में डिजिटल प्रौद्योगिकी का विस्तार करने का विचार है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं;

(ड.) क्या सरकार ने देश में इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण के संबंध में कोई लक्ष्य निर्धारित किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) सरकार द्वारा इस क्षेत्र में किए गए निवेश का ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री राजीव चंद्रशेखर)

(क) : जी, हां । भारत के अभूतपूर्व डिजिटल परिवर्तन का उत्सव मनाने के लिए भारत सरकार ने गांधीनगर गुजरात में 4 से 10 जुलाई, 2022 को डिजिटल इंडिया सप्ताह 2022 का आयोजन किया । डिजिटल इंडिया सप्ताह का उद्देश्य दुनिया को भारत के तकनीकी कौशल का प्रदर्शन करना, टेक स्टार्टअप्स के लिए सहयोग और व्यापार के अवसरों के बारे में पता लगाना और अगली पीढ़ी के

नागरिकों को उनके लिए अवसरों की एक तकनीक पेश करके प्रेरित करना था। डिजिटल इंडिया सप्ताह की व्यापक थीम **'डिजिटल इंडिया: कैटालाइजिंग न्यू इंडियाज टेकेड'** थी ।

डिजिटल इंडिया सप्ताह 2022 का विवरण **अनुबंध-I** में दिया गया है ।

(ख): जी,हां । डिजिटल इंडिया के तहत, भारत सरकार ने डिजिटल इंडिया भाषिणी की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य अंग्रेजी नहीं जानने वाले करोड़ों भारतीयों के लिए इंटरनेट तक अभिगम सुनिश्चित करना है। डिजिटल इंडिया भाषिणी कार्यक्रम के हिस्से के रूप में इसके लिए प्रौद्योगिकी, डेटासेट और एप्लिकेशन बनाए जाने की अपेक्षा है ।

इसके तहत टेक्स्ट-टू-टेक्स्ट ट्रांसलेशन, स्पीच-टू-टेक्स्ट कन्वर्जन, टेक्स्ट-टू-स्पीच कन्वर्जन, लिप्यंतरण और ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्निशन के लिए भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी में ओपन-सोर्स एआई मॉडल का भंडार एक पब्लिक के माध्यम से उपलब्ध कराया गया है । डिजिटल प्लेटफॉर्म (bhashini.gov.in) । यह स्टार्टअप, उद्योग और सरकारी एजेंसियों सहित पारिस्थितिकी तंत्र में सभी हितधारकों को देश भर में इंटरनेट और डिजिटल सेवाओं तक सुगम अभिगम के लिए भारतीय भाषाओं में यूजर इंटरफेस की पेशकश करने के लिए अभिनव उत्पादों और सेवाओं को विकसित और नियोजित करने में सक्षम बनाता है ।

(ग) और **(घ)** : जी, हाँ । भारत सरकार ने ट्रिलियन-डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था का लक्ष्य निर्धारित किया है और स्टार्टअप्स और युवाओं के लिए ट्रिलियन-डॉलर डिजिटल अर्थव्यवस्था के लक्ष्य में सक्रिय भागीदार बनने के लिए लगातार नए अवसर पैदा कर रही है। सरकारी गतिविधियों और सार्वजनिक सेवाओं का डिजिटलीकरण प्रमुख क्षेत्रों में से एक है। कई क्षेत्रों में डिजिटल प्रोद्योगिकी का उपयोग किया जा रहा है; पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान सहित विभिन्न परियोजनाओं के तहत विभिन्न मंत्रालयों द्वारा जीआईएस प्रोद्योगिकी का उपयोग करके संपत्तियों की मैपिंग की जा रही है ।

अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषि, खनन, अवसंरचना, निगरानी, आपातकालीन प्रतिक्रिया, परिवहन, भू-स्थानिक मानचित्रण, रक्षा और कानून प्रवर्तन में ड्रोन प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दिया जा रहा है ।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय (आई एंड बी) ने इस क्षेत्र के लिए विकास की नीतियों का मार्गदर्शन करने, भारत में एवीजीसी शिक्षा के लिए मानक स्थापित करने, उद्योग और अंतरराष्ट्रीय के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करने के लिए एक एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स (एवीजीसी) प्रमोशन टास्क फोर्स का गठन किया है। एवीजीसी संस्थान, और भारतीय एवीजीसी उद्योग की वैश्विक स्थिति को बढ़ाते हैं।

(ड.) : जी, हां । भारत सरकार का लक्ष्य भारत को अपनी आत्मनिर्भर भारत आर्थिक नीतियों के हिस्से के रूप में इलेक्ट्रॉनिकी के लिए वैश्विक मूल्य श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण डिजाइन और विनिर्माण केंद्र बनाना है। इसके हिस्से के रूप में, हम अपने इलेक्ट्रॉनिकी पारिस्थितिकी तंत्र को व्यापक और सुदृढ़ कर रहे हैं ।

सरकार भारतीय सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र को उत्प्रेरित करने के अपने महत्वपूर्ण उद्देश्य पर केंद्रित है और यह सुनिश्चित करती है कि यह बदले में भारत के तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को उत्प्रेरित करे । हमारे देश में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए 76,000 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय पर सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम के अनुमोदन के साथ इलेक्ट्रॉनिकी और सेमीकंडक्टर्स में आत्मनिर्भरता के इस दृष्टिकोण को और गति दी गई । कार्यक्रम का उद्देश्य सेमीकंडक्टर्स, डिस्प्ले विनिर्माण और डिजाइन पारिस्थितिकी तंत्र में निवेश करने वाली कंपनियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है । यह वैश्विक इलेक्ट्रॉनिकी मूल्य श्रृंखला में भारत की बढ़ती उपस्थिति का मार्ग प्रशस्त करने का काम करेगा ।

(च): भारत सरकार का लक्ष्य भारत को अपनी आत्मनिर्भर भारत आर्थिक नीतियों के हिस्से के रूप में एक महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण केंद्र बनाना है । इस संबंध में सरकार ने हमारे इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को व्यापक और सुदृढ़ करने के लिए कई रणनीतिक कदम और पहल की हैं। इन पहलों के परिणामस्वरूप इलेक्ट्रॉनिकी उद्योग में विभिन्न निवेशकों द्वारा 47,998 करोड़ रुपये का निवेश किया गया ।

****

अनुबंध -I

डिजिटल इंडिया वीक 2022

डिजिटल इंडिया सप्ताह का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने गुजरात के मुख्यमंत्री, श्री भूपेंद्र पटेल जी, माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव जी, माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी राज्य मंत्री, श्री राजीव चंद्रशेखर जी और कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया । इस कार्यक्रम में केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, उद्योग, स्टार्टअप आदि के कई प्रतिभागियों ने भाग लिया। माननीय प्रधानमंत्री द्वारा निम्नलिखित लॉन्च किए गए, जिनका उल्लेख नीचे किया गया है:

1. इंडिया स्टैक.ग्लोबल

2.माय स्कीम - सर्विस डिस्कवरी प्लेटफॉर्म

3. मेरी पहचान - राष्ट्रीय एकल साइन-ऑन सेवा

4. डिजिटल इंडिया भाषिणी

5. डिजिटल इंडिया जेनेसिस जेन नेक्स्ट सपोर्ट फॉर इनोवेटिव स्टार्टअप्स

6. चिप्स टू स्टार्टअप प्रोग्राम- सी 2 एस कार्यक्रम के तहत समर्थित प्रथम समूह की घोषणाएँ

7. ईबुक न्यू इंडियाज टेकडे को उत्प्रेरित करना

गुजरात के गांधीनगर में महात्मा मंदिर में स्थापित 'डिजिटल मेला' नामक एक भव्य प्रदर्शनी ने 50,000 से अधिक आगंतुकों, विशेष रूप से स्कूल/कॉलेज के छात्रों की उत्सुकता को बढ़ाया, जो अन्यों में मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, 3डी प्रिंटिंग, सेमीकंडक्टर और नैनो टेक्नोलॉजी, उच्च कंप्यूटिंग प्रोसेसर में नवीनतम प्रदर्शन करने वाले एआर/वीआर प्रदर्शित करने वाला टेक पवेलियन, ड्रोन टेक्नोलॉजी, टेक में महिलाओं के लिए रोबोटिक्स, डिजिटल पेमेंट्स, फिनटेक से लेकर आरएंडडी पैवेलियन तक उभरती नवीनतम नवाचारों और नई तकनीकों को देखने और सीखने के लिए उमड़ पड़े । नवोन्मेष की भावना का पोषण करते हुए, कई स्टार्टअप और यूनिकॉर्न द्वारा स्टालों ने हर दिन 10,000 से अधिक छात्रों,उद्यमियों को आकर्षित किया और प्रेरित किया ।

7 से 9 जुलाई, 2022 तक आयोजित इंडिया स्टैक नॉलेज एक्सचेंज के साथ वर्चुअल मोड में डिजिटल इंडिया वीक उत्सव भी जारी रहा । नॉलेज एक्सचेंज, जिसने 50 से अधिक डोमेन विशेषज्ञों और प्रख्यात चिकित्सकों को विभिन्न क्षेत्रों और भौगोलिक क्षेत्रों में इंडिया स्टैक के संचालन पर विचार-विमर्श करने के लिए एक मंच प्रदान किया में 60 से अधिक देशों से 6500 से अधिक पंजीकरण हुए थे ।

****